# भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठापन सूचियों का वार्षिक आदान-प्रदान

## प्रिलिम्स के लिये:

भारत और पाकिस्तान, परमाणु प्रतिष्ठापन सूचियों का वार्षिक आदान-प्रदान: भारत और पाकिस्तान, नियंत्रण रेखा, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, **सिंधु जल संधि, SAARC**

## मेन्स के लिये:

भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद के प्रमुख क्षेत्र, परमाणु संयंत्रों तथा सुविधाओं के विरुद्ध हमले के निषेध पर समझौता

स्रोत: द हिंदू

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और पाकिस्तान ने **नई दिल्ली (भारत) तथा इस्लामाबाद (पाकिस्तान)** में राजनीतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपने संबंधित परमाणु प्रतिष्ठानों **तथा केंद्रों (Nuclear Installations and facilities)** की सूची का आदान-प्रदान किया है।

- यह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच **परमाणु प्रतिष्ठानों तथा केंद्रों के विरुद्ध हमले के निषेध** पर समझौते के अंतर्गत आता है।

## परमाणु प्रतिष्ठानों तथा केंद्रों के विरुद्ध हमले के निषेध पर समझौता क्या है?

- **परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों के विरुद्ध हमले के निषेध पर समझौते** पर 31 दिसंबर, 1988 को तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री **बेनज़ीर भुट्टो तथा भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा हस्ताक्षर किये गए** थे।
  - यह संधि **27 जनवरी, 1991** को क्रियान्वित की गई।
  - हालिया आदान-प्रदान **दोनों देशों के बीच संबद्ध सूचियों का निरंतर 33वाँ आदान-प्रदान** है, पहला आदान-प्रदान **01 जनवरी, 1992** को हुआ था।
- **पृष्ठभूमि: उक्त समझौते पर बातचीत तथा हस्ताक्षर के लिये प्रत्यक्ष कारक भारतीय सेना द्वारा वर्ष 1986-87 के ब्रासस्टैक्स अभ्यास से उत्पन्न तनाव था।**
  - **ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स** (Brasstacks) पाकिस्तान सीमा के समीप भारतीय राज्य **राजस्थान** में आयोजित एक **सैन्य अभ्यास** था।
- **जनादेश:** विश्वास को बढ़ावा देने वाले सुरक्षा का माहौल बनाने के लिये इस समझौते के तहत दोनों देशों को प्रत्येक **कैलेंडर वर्ष के 1 जनवरी** को समझौते से संबद्ध किसी भी **परमाणु प्रतिष्ठानों/संस्थापनों तथा केंद्रों के बारे में एक-दूसरे को सूचित करना** होता है।
  - समझौते के अनुसार, **'परमाणु स्थापना या सुविधा' शब्द में परमाणु ऊर्जा और अनुसंधान रिएक्टर, ईंधन** निर्माण, यूरेनियम संवर्द्धन, **आइसोटोप पृथक्करण तथा पुनर्प्रसंस्करण सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी रूप में ताज़ा या विकिरणित परमाणु** ईंधन एवं सामग्री वाले अन्य प्रतिष्ठान व महत्त्वपूर्ण मात्रा में रेडियोधर्मी सामग्रियों का भंडारण करने वाले प्रतिष्ठान शामिल हैं।

## भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद के प्रमुख क्षेत्र क्या हैं?

- **कश्मीर विवाद:**
  - नियंत्रण रेखा **का उल्लंघन:** नियंत्रण रेखा पर बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लोग हताहत हो रहे हैं और तनाव बढ़ रहा है।
  - **विसैन्यीकरण पर असहमति: नियंत्रण रेखा के दोनों ओर विसैन्यीकरण की मांगें अनसुलझी हैं, जिससे शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में प्रगति बाधित हो रही है।**
- **आतंकवाद:**
  - **सीमा पार से घुसपैठ:** भारत का आरोप है कि **पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी,** आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिये नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ कर रहे हैं।

- **आतंकवादी समूहों का पदनाम:** दोनों देशों द्वारा **आतंकवादी समूहों को आतंकवादी संगठन** के रूप में नामित करने में मतभेद **आतंकवाद विरोधी** सहयोग में बाधाएँ पैदा करते हैं।
    - **नागरिक आबादी पर प्रभाव:** आतंकवादी हमलों में निर्दोष लोगों की जान चली जाती है तथा **दोनों समुदायों के बीच शत्रुता और बढ़** जाती है।
- **जल बँटवारा:**
    - **बाँधों का निर्माण:** सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों पर **बाँधों तथा जलविद्युत परियोजनाओं** के निर्माण पर विवाद, जल प्रवाह एवं उपयोग के अधिकारों को प्रभावित कर रहा है।
    - **सिंधु जल संधि का कार्यान्वयन: जल आवंटन और विवाद समाधान तंत्र के संबंध** में संधि की धाराओं की व्याख्या तथा कार्यान्वयन में अंतर।
- **व्यापार और आर्थिक संबंध:**
    - **व्यापार बाधाएँ:** दोनों देशों द्वारा लगाई गई प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियाँ और उच्च टैरिफ सीमा पार व्यापार तथा आर्थिक कनेक्टिविटी में बाधा डालते हैं।
        - अगस्त 2019 में, पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में किये गए संवैधानिक संशोधनों के जवाब में भारत के साथ व्यापार रोक दिया।
        - भारत ने वर्ष 2019 में पाकिस्तानी आयात पर 200% टैरिफ लगाया, जब पुलवामा **आतंकवादी घटना के बाद पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन (MFN) पदनाम** हटा दिया गया था।
    - **सीमित सीमा-पार निवेश:** राजनीतिक तनाव और सुरक्षा चिंताएँ दोनों देशों में व्यावसायों के बीच निवेश तथा **संयुक्त उद्यमों को हतोत्साहित** करती हैं।
    - **तृतीय-पक्ष व्यापार मार्गों पर निर्भरता: क्षेत्र के बाहर व्यापार मार्गों** पर निर्भरता से लागत बढ़ती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं की दक्षता कम हो जाती है।
- **क्षेत्रीय भूराजनीति:**
    - **पाकिस्तान में चीन की भूमिका:** पाकिस्तान में बढ़ता **चीनी निवेश और उपस्थिति, जिसमें** चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा जैसी परियोजनाएँ भी शामिल हैं, भारत के लिये रणनीतिक गठबंधन तथा शक्ति संतुलन को लेकर चिंताएँ पैदा करती हैं।

## भारत और पाकिस्तान विवाद समाधान की ओर कैसे आगे बढ़ सकते हैं?

- **विश्वास निर्माण के उपाय:**
    - **संचार को सुदृढ़ बनाना:** खुले संवाद और संकट प्रबंधन के लिये विभिन्न स्तरों पर **प्रत्यक्ष, सुरक्षित संचार चैनल स्थापित करना।**
    - **LoC पर तनाव कम करना: युद्धविराम समझौतों को** लागू करना और **मज़बूत करना**, सेना की तैनाती को कम करना तथा उल्लंघन की जाँच के लिये संयुक्त तंत्र स्थापित करना।
    - **जन-जन की पहल: सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान, खेल आयोजनों** तथा जलवायु परिवर्तन व स्वास्थ्य देखभाल जैसी आम चुनौतियों का समाधान करने वाली संयुक्त पहल को बढ़ावा देना।
- **मुख्य मुद्दों को हल करना:**
    - **कश्मीर विवाद समाधान:** कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं पर विचार करते हुए और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचे का सम्मान करते हुए, **वार्ता के माध्यम से कश्मीर मुद्दे का उचित एवं स्थायी समाधान** तलाशना।
    - **आतंकवाद का मुकाबला: आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने**, इनके वित्तपोषण एवं वैचारिक स्रोतों को निरस्त करने और पिछले कृत्यों के लिये जवाबदेही सुनिश्चित करने **हेतु संयुक्त प्रयासों को तीव्रता प्रदान करना।**
    - **जल सहयोग: सिंधु जल संधि को प्रभावी ढंग से लागू करना**, डेटा और जानकारी को पारदर्शी रूप से साझा करना व पारस्परिक लाभ के लिये संयुक्त जल प्रबंधन परियोजनाओं की खोज करना।
- **क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:**
    - मध्यस्थता को प्रोत्साहित करना: सार्क (SAARC) जैसे क्षेत्रीय मंचों के माध्यम से वार्ता को सुविधाजनक बनाना, दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना।
    - बाह्य प्रभावों को संतुलित करना: द्विपक्षीय प्रगति को खतरे में डालने से बचने के लिये दोनों देशों को चीन और अमेरिका जैसी बाह्य शक्तियों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की आवश्यकता है।
- **सार्वजनिक समझ और समर्थन को बढ़ावा देना:**
    - **मीडिया की ज़िम्मेदारी: ज़िम्मेदार मीडिया कवरेज को बढ़ावा** देना, **नकारात्मक रूढ़िवादिता से बचना** और सहयोग व साझा इतिहास की सकारात्मक पहलूओं पर ज़ोर देना।

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

**??????:**

**Q1. “भारत में बढ़ते हुए सीमापारीय आतंकी हमले और अनेक सदस्य-राज्यों के आंतरिक मामलों में पाकिस्तान द्वारा बढ़ता हुआ हस्तक्षेप सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के भविष्य के लिये सहायक नहीं है।” उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिये। (2016)**

**Q2. आतंकवादी गतिविधियों और परस्पर अविश्वास ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को धूमिल बना दिया है। खेलों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसी मृदु शक्ति किस सीमा तक दोनों देशों के बीच सद्भावना उत्पन्न करने में सहायक हो सकती है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये। (2015)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/annual-exchange-of-nuclear-installation-lists-india-and-pakistan